वृद्धावस्था पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव।

डॉ. विक्रम सिंह जाखड़, एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र, सेठ जी. बी. पोदार कॉलेज, नवलगढ़, E-Mail- drvsjakhar@gmail.com

सारांश

वृद्धावस्था जीवन का एक ऐसा चरण है जब व्यक्ति अपनी युवावस्था और मध्य आयु को पार कर चुका होता है। यह जीवन का एक प्राकृतिक चरण है जो सभी के लिए आता है। इस दौरान शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं। इसमें कुछ परिवर्तन प्राकृतिक और कुछ मशीनी होते हैं। मशीनी परिवर्तनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रमुख है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मतलब है मशीनों में मानवीय बुद्धि का अनुकरण करना जिन्हें इंसानों की तरह सोचने और काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अनुभव से सीखने, निर्णय लेने और ऐसे कार्य करने की क्षमता होती है जिनके लिए आमतौर पर मानवीय बुद्धि की आवश्यकता होती है। वृद्धावस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका बढ़ती जा रही है, जो वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचार, स्वास्थ्य देखभाल, और दैनिक गतिविधियों में सहायता प्रदान करके वृद्धजनों की स्वतंत्रता और गुणवत्ता को बढ़ावा देता है। वृद्धावस्था में जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, जिसमें स्वास्थ्य, सामाजिक जुड़ाव और आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस दिशा में संभावनाओं के नए द्वार खोल रही है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्वास्थ्य मॉनिटरिंग सिस्टम बुजुर्गों की चिकित्सा आवश्यकताओं की सटीक पहचान और देखभाल में सहायता कर सकते है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–आधारित रोबोटिक सहायक घर के कामों में मदद करते हैं, जिससे बुजुर्गों की आत्मनिर्भरता बढ़ती है। साथ ही वर्चुअल असिस्टेंट सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने में मदद करते हैं, जिससे अकेलेपन की समस्या को कम किया जा सकता है। लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इसका अपवाद नहीं है। वृद्धों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कुछ संभावित नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग से वृद्धों की नौकरियां खत्म हो सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित सेवाएं जैसे कि रोबोटिक सहायक, वृद्धों को मानव संपर्क से दूर कर सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अत्यधिक निर्भरता वृद्धों को असहाय बना सकती है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वृद्धों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। हालांकि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग वृद्धों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किया जाए न कि उनकी स्वतंत्रता को कम करने के लिए।